Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(4)

Environmental Studies (E.V.S.) - (CTet)

"Hindi medium"

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

लंग- हू- फेन → हांकांग का एक पकवान (सांप के मांस से बनता है)

②- टैपिकोआ → केरल में जमीन के नीचे उगाया जाने वाला फल/सब्जी है।

③- लुई ब्रेल → ब्रेल लिपि के आविष्कारकर्ता (फ्रांस)
→ ब्रेल लिपि 6 बिंदुओं पर आधारित

④→ घरों की संरचना → असम में बांस के खंबों पर टिके हुए (10-12 फुट)
→ मनाली (H.P.) - पत्थर/लकड़ी के बने घर होते हैं।
→ राजस्थान में - मोटी दीवार (मिट्टी) व छत कटीली झाड़ियों से बनते हैं।

⑤- J & K. में चाय को 'कहवा' कहा जाता है। (बादाम भी mixed व इलायची)

⑥- वल्लम - एक प्रकार की छोटी नाव (लकड़ी की)/ केरल में चलती है।

⑦- हाथी - सबसे बूढ़ी हाथिनी, झुण्ड (Herd) की मुखिया होती है।
- एक दिन में 100 kg. तक पत्ती/झाड़ी खा लेता है। → कीचड़ उन्हें ठंडा रखता है।
- एक दिन में 2-4 घंटे सोता है। → कान पंखे का काम करते हैं।
- झुण्ड में केवल हथनियां व उनके बच्चे (12-14 हथनियां/झुण्ड) होते हैं Male नहीं।
वे 14-15 वर्ष के बाद अलग हो जाते हैं।

⑧- 'खेजड़ी का पेड़' → खेजड़ली गांव (राजस्थान) → बिश्नोई लोग
- 300 साल पहले की बात है → यहां शिकार व पेड़ काटने पर प्रतिबंध,
→ खेजड़ी का पेड़, रेगिस्तान में / कम पानी में उगता है।
→ इसकी छाल से दवाइयां बनती हैं / लकड़ी में कीड़ा नहीं
→ पेड़ की फलियों की सब्जी भी बनती है।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Maharath Academy

(9) चींटियों की दुनियां :- सभी चींटियों का काम बंटा होता है -

रानी चींटीयां - अन्डे देती हैं,
सिपाही " - बिल का हयाब रखती है।
मजदूर " - भोजन ढूंढकर लाने का काम करती है

(दीमक, मधुमक्खी व ततैया भी इसी तरह कार्य करते हैं

(10) - मधुमक्खियाँ →
- → हर छत्ते मे एक रानी मधुमक्खी जो अन्डे देती। केवल कुछ ही male मधुमक्खी होते हैं, जो worker का काम नहीं करते
- अन्डे देने का समय - Oct. - December
- अतः, मधुमक्खी पालन का उपयुक्त समय है।
- → अधिकतर, मक्खी, working होते हैं।

(11) - गोवा से केरल (रेलमार्ग) → 92 सुरंगें और 2000 पुल हैं।
(मडगाँव) (कोजीकोड)

(12) - मलयालम भाषा - वलियम्मा - मां की बड़ी बहन
- अम्मूमा - नानी को कहते हैं।
- चिट्टपन - चाचा / कुंजम्मा - चाची

(13) -
- गांधी धाम (कच्छ) - अहमदाबाद
- वलसाड → G.J.
- कोजीकोड → केरल

खाना - ढोकला, चटनी, lemon चावल, मिठा
दक्षिण भारत का एक शहर, मालाबार तट पर, कालिकट
कोट्टायम भी Town

(14) - कर्णम मल्लेश्वरी :- → वेट लिफ्टर (आंध्र प्रदेश से) [Telangana]
→ (Father - police constable हैं)
→ जब 12 वर्ष की थी, तब start किया।
→ 130 kg. weight
→ इनकी 4 सिस्टर्स भी weight lifting करती हैं।
→ भारत के बाहर - 29 मेडल जीत चुकी.

(15) - फूल -
→ फूलों की घाटी - उत्तराखंड
- कचनार के फूल (U.P.)
- केले के फूल (केरल)
- सहजन " " (MH.)

} सब्जी बनायी जाती है।

- गुलदावरी (marigold) / जीनिया (zenia) के फूलों से कपड़े रंगने का रंग बनता है।

Scanned by CamScanner

- पेंटिंग में, मानव, जानवर, पेड़, पक्षी, मछली, फूल आदि दिखाये जाते हैं। ②

16 मधुबनी (पेंटिंग) - मधुबनी जिला बिहार
- घर की दीवारों पर चित्रकारी
- चावल के आटे से चित्रकारी (चटक रंग) - में रंग मिलाकर
- फूलों व पत्तियों से रंग प्राप्त, हल्दी आदि

(17) - U.P. (कन्नौज) इत्र के लिए मशहूर

(18) - मिट्टी में गोबर मिलाकर जमीन में लीपने से - कीड़े नहीं लगते।

(19) - नीम व कीकर की लकड़ी पर दीमक नहीं लगता।

(20) -

गाजीखान -	Pakistan	नल्लमडा -	(A.P.)
सोहना गांव -	Haryana	बाजार गांव -	(MH.)
वेलवणिका गांव -	Karnataka	कफपरेड -	(MH).
		मुख्तापुर -	A.P. - पोचमपल्ली जिला

हितागुली (बच्चों की पंचायत - भीमा संघ)

(21) - गीजू भाई बधेका → लेखक (गुजरात)
→ बच्चों के स्तर की मजेदार कहानी व पत्र लिखते हैं।

→ केवल अंडों को रखने हेतु प्रयोग करते हैं।

(22) - पक्षी : कलचिड़ी (Indian Robin) → पत्थरों के बीच घोंसला (घास से)
(अपर टहनियां, जड़े, ऊन, बाल, रुई, बिछा होता है)।

कौवा : घोंसले में लोहे के तार, लकड़ी की शाखा।
कोयल, कौवे के घोंसले में अंडे देता है।

फाख्ता : कैक्टस के कांटों के बीच / मेंहदी की मेढ़ में घोंसला बनाती है।

गौरैया : कहीं भी (अलमारी, छत, आइने के पीछे)
कबूतर भी

बसंत गौरी : पेड़ के तने में छेद बनाकर, अंडे रखती है।

दर्जिन चिड़िया : पत्तों को सीकर, अंडे देने हेतु पात्र तैयार करती है।

शक्कर खोरा : पेड़/झाड़ी पर लटकता घोंसला (बाल, रुई, छाल, कपड़े आदि से तैयार)

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

बीवर पक्षी :- नर बीवर, अपने घोंसले बनाते हैं।
मादा नर, अण्डे देने हेतु, सही घोंसले का चुनाव करती है।

~~अध्याय~~ :-

(23) - गाय :- आगे के दांत छोटे (नुकीले) - काटने के लिए
पीछे के दांत चपटे - चबाने के लिए

बिल्ली / कुत्ता - नुकीले दांत, मांस फाड़ने के काम

सांप :- के दांत नुकीले / परंतु चबाता नहीं है / निगलता है।

गिलहरी :- के दांत हमेशा बढ़ते रहते हैं।

(24) - A.P. का पोचमपल्ली जिला (मुख्तापुर गांव)
- जिले में अधिकतर बुनकर परिवार रहते हैं / - खिलौने व इत्र भी / - छपाई बुनना - मुख्य
- बुनाई को ही "पोचमपल्ली" बोला जाता है।
→ कुल्लू - शॉल → मधुबनी पेंटिंग → असम - रेशम → कश्मीरी - कढ़ाई

(25) - ✓ चींटी :- सूंघकर एक दूसरे के पीछे चलती हैं।
✓ मच्छर - पैरों (तलवे) की गंध व शरीर की गर्मी से हमें ढूंढते हैं।
✓ सांप - बाहरी कान नहीं होते / जमीनी कंपन से महसूस करते हैं।
रेशम का कीड़ा - कई km. दूर से भी, गंध से female कीड़े को ढूंढ लेता है।
बाघ (Tiger) :- अंधेरे में हमसे 6 गुना अधिक देख सकता है / कानों को direction में घुमा सकता है
- हवा के कंपन से मूंछों द्वारा भांपना। - अलग-2 purpose के लिए sound - भूख / काम / गुस्सा
- धुर्राना 3 km. तक सुना जा सकता है।
- सुनना भी तेज / पत्तियों के फड़फड़ाने व जानवर के चलने की आवाज में अंतर कर लेते हैं
→ जानवर (हर चीज को सफेद व काले रंग में देखते हैं।

→ स्लॉथ → भालू जैसा जीव / पेड़ पर उल्टा लटककर सोता है (17 घंटे)
- उसी पेड़ के पत्ते खा लेते हैं,
- पत्तियां खत्म हो जाने पर दूसरे पेड़ पर
- 40 वर्ष के जीवन में - 8 पेड़ों पर घूम पाते हैं (5 साल - 1 पेड़)
- हफ्ते में एक बार, जमीन पर आता है। (बहुत आलसी होते हैं)।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

UK (Nainital) - जिम कार्बेट] National park, शिकार करना मना
Raj (Bhartpur) - घाना]

(27). सपेरों की एक जाति → "कालबेलिया"

(28) - नाग गुफन - रंगोली (सौराष्ट्र, गुजरात व द० भारत मे प्रयोग की जाती है)

(29) - भारत में पाये जाने वाले सभी सांपों मे 4 प्रकार ही जहरीले होते है -
① → नाग ② → करैत ③ → दुबोईया ④ → अफाई
→ सांप के 2 दांत, इन्हीं के द्वारा जहर शरीर मे जाता है।
- सांप के जहर के असर को कम करने हेतु, 'सीरम' दवा दी जाती है, जो सांप के जहर से ही बनती है।

(30) - नीपेन्थिस पौधा → ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत के मेघालय राज्य मे।
(पिचर Plant) (घड़ा पौधा) - कीड़े मकोड़े व छोटे जीवों का शिकार।
- special smell, जो insects को attract करती है - मेंढक / चूहे भी
- Clever Plant

(31) - वेल्क्रो → स्विट्जरलैंड के जॉर्ज मेस्ट्रल द्वारा निर्मित। (1948 में)
(कपड़ों, जूतों, बैग आदि मे प्रयोग किया जाता है)।
→ बीजों पर बने होरेहुक्स (Hooks) को कपड़ों पर लगने के कारण निकाला

(32) - हरी मिर्ची - पुर्तगाल के व्यापारी, द० अमेरिका से भारत लाये।
(टमाटर, आलू, भी)
→ कॉफी, भिण्डी - अफ्रीका से
→ बन्दगोभी / मटर - यूरोप से
→ सोयबीन - चीन से आयी

(33) - अल बिरुनी (यात्री 1000 वर्ष पूर्व) - उज्बेकिस्तान से भारत आया था। (1973 को 1000 वर्ष)

(34) 'गड़सीसर तालाब' - जैसलमेर के राजा 'गड़सी' ने बनवाया था।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(34) - मृत सागर :- दुनिया का सबसे नमकीन सागर।
एक लीटर में (300 gm. नमक)
→ अत्यधिक Density के कारण, इसमें डूबते नहीं है।

(35) - सिनकोना - पेड़ की छाल से मलेरिया की दवाई बनायी जाती है।

अनीमिया - हिमोग्लोबिन / आयरन की कमी से होता है।
उपाय - गुड़, आंवला, हरी पत्तेदार सब्जी।

रोनाल्ड रोस - भारतीय मूल के
- बताया कि मलेरिया मच्छर से फैलता है।

(36) - मिजोरम - 'मिजो' भाषा

(37) - रैप्लिंग - पहाड़ से उतरना

(38) - हिमालय (माउंट एवरेस्ट) पर चढ़ने वाली पहली महिला -
"बछेन्द्री पाल" - संसार की 5th महिला।
- गढ़वाल के नाकुरी गांव की रहने वाली हैं।
- 23 मई 1984 के दिन 1 बजकर 7 मिनट पर चढ़ी थी। (ऊँचाई - 8900 NCERT).
- माउन्ट एवरेस्ट का नेपाली में नाम - "सागरमथा"

(39) - गोलकोंडा का किला - 1518 से 1687 तक / कुतुबशाही सुल्तानों ने राज किया।

(40) - नील आर्मस्ट्रांग - चांद पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति (1969)

(41) - मुंबई - दिल्ली - 1400 km की दूरी।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

(5)

52 लद्दाख-लेह में - पहली/निचली मंजिल पर खिड़की नहीं होती है।
- छत बनाने के लिए पेड़ों के मोटे तने इस्तेमाल किए जाते हैं।

(53) - पशमीना शॉल - 6 स्वेटरों के बराबर गर्मी होती है।
- एक पहाड़ी बकरी की खास नस्ल के बालों से बनती है। जो लगभग 5000 mt. की ऊँचाई तक रह सकती है।
- एक शॉल बनाने में 250 घण्टे लगते हैं। इसीलिए बहुत महंगे
- बकरी का 8 बाल / हमारे 1 बाल के बराबर।

(54) - जमीन उपजाऊ : जड़ों से, पत्तों से, शाखा सड़ने से / केंचुओं से
- केंचुए जमीन में छेद बनाते रहते हैं, जिससे जमीन पोली हो जाती है।

(55) - झूम खेती : खाली छोड़ना

(56) - "चराओ" नृत्य, मिजोरम में होता है, / फसल कटने पर

(57) - ग्रेगर जॉन मेंडल : ऑस्ट्रिया / जन्म - 1882
मटर के पौधों में अनुवांशिकता की खोज (जोड़ी में)

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

स्कूल जाने हेतु अलग-2 राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले माध्यम

1 - बांस/रस्सी से बना पुल - असम में (अत्यधिक बारिश के कारण).

2 - ट्रॉली - लद्दाख में (चौड़ी घाटी व गहरी नदी/खाई को पार करने हेतु)

3 - सीमेंट का पुल - सामान्य मैदानी क्षेत्रों में / पहाड़ों में।

4 - वल्लम - केरल (लकड़ी की बनी छोटी नाव).

5 - ऊँट-गाड़ी - राजस्थान

6 - बैलगाड़ी - मैदानी क्षेत्रों में

7 - साइकिल - दूर दराज के स्कूल वाले क्षेत्र

8 - बर्फ पर चलक - उत्तर की पहाड़ियाँ (हाथ पकड़कर)

9 - जंगलों के रास्ते -

10 - ऊबड़ खाबड़ पथरीले रास्ते - उत्तराखण्ड

⇒ एक पक्षी की आंखें, उसके सिर पर होती हैं, और उसके कान, पंखों के नीचे छुपे होते हैं, जिनसे वह सुनता है.

→ लिजार्ड (छिपकली) की भी यही विशेषतायें हैं।

→ मगरमच्छ की भी आंखें ऐसी ही होती हैं, छिपी हुयी।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

* जानवर :-

→ शरीर पर बने पैटर्न, बालों के कारण होते हैं।
बिना बालों के कोई भी पैटर्न नहीं होता है। (Ctet-16)

→ जिन जानवरों के कान व बाल शरीर पर हों – जन्म देते हैं।
जिन जानवरों के कान बाहर दिखते नहीं, – अण्डे देते हैं।

* भाषायें

→ मलयालम – केरल,
→ कोंकणी – कर्नाटक, M.H., गोवा, केरल के कुछ भाग,
→ मराठी – M.H., गोवा, दमन व दीव, दादरा & नागर हवेली
→ गुजराती – गुजरात
→ कन्नड़ – कर्नाटक, A.P., T.N., M.H.

* ट्रेन टिकेट :- – ट्रेन का नंबर
– यात्रा शुरू होने की डेट व समय
– बर्थ व कोच नंबर
– Cost (किराया)
– Distance कितना है।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

पेड़ →

→ बरगद :- लटके हुए Branches, actually उसकी जड़ें होती हैं।

→ डेजर्ट ओक :- Australia में मिलता है।
जड़ें बहुत गहरी जाती हैं, Ground water को सोखने के लिए, जिस पानी को तने में store करता है।

→ "बीहू त्यौहार" → असम में मनाया जाता है। नयी चावल की फसल के आने पर मनाते हैं।
→ 14-15 th जनवरी को मनाया जाता है। या माघ के 1-2nd तारीख को।
→ बांस के द्वारा मेला पर बनाया जाता है, इस festival के occasion पर।

→ आबू धाबी :- UAE (यूनाइटेड अरब अमीरात) → दिरहम (Currency)

→ केरल के प्रमुख फल के पेड़ :- नारियल (Coconut), बेटलनट सुपारी (Betelnut), पपीता, केला, कटहल (Jackfruit)

→ रेगिस्तान में उगने वाला एकमात्र पेड़ → 'Date Palms' – (खजूर)

→ केरल के मसाले → तेजपत्ता, काली मिर्च, इलाइची।

→ गरम मसाला → इलाइची ① + काली मिर्च ② + लौंग ③ + दालचीनी ④ + अदरक ⑤ + जीरा ⑥

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

* लैफ्टिनैन्ट कमांडर वहीदा प्रिज्म →

→ भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।

→ सबसे पहली महिला जिन्होंने परेड की अध्यक्षता की (leading)

→ जम्मू व कश्मीर → रजौरी जिला → थन्नामण्डी क्षेत्र से हैं

→ एक परेड में कुछ 36 कमांड्स होती हैं।

* लद्दाख में - तिब्बती भाषा को भोटी भी बोला जाता है।

Mother - aama-le
Father - aaba-le

* कुत्ते → उनका एक निश्चित क्षेत्र होता है।
→ दूसरे कुत्ते की पेशाब व मल की गंध से, उनके अपने क्षेत्र में प्रवेश को पहचान जाता है

* पक्षी :-
→ अधिकतर पक्षियों की दोनों आँखें उनके सर के दोनों side होती हैं।
- अतः वे एक ही समय में 2 अलग-2 चीजों पर focus कर सकते हैं।
→ जब सीधे/सामने देखती हैं तो एक object पर focus करती हैं।
→ अधिकतर पक्षियों की आंखें fixed/stable होती हैं; अतः उन्हें देखने हेतु, सर घुमाना पड़ता है।
→ कुछ पक्षी जैसे- ~~चमगादड़~~, बाज, चील, गिद्ध मानव से चार गुना अधिक दूरी तक देख सकते हैं।

पक्षी 8 mtrs. → मानव - 2 mtrs.
(4 गुना अधिक देख)

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ जानवर, हमारी तरह बहुत सारे रंगों को नहीं देख सकते।

→ दिन में जगने वाले जीव कुछ रंगों को ही देख सकते हैं।

→ रात में जगने वाले जानवर – केवल Black & White में (उल्लू)

→ एक पक्षी द्वारा दोनों आँखें एक ही object पर focus करने पर Distance का अनुमान लगा सकते हैं।

– अगर उसकी आँखों का focus को अलग-2 चीजों पर है, तो उनका Range of vision बढ़ा देता है।

* About sleep – (सोना)

→ छिपकली – पूरे एक सीजन तक (Deep sleep) –
→ गाय – 4 घन्टे
→ पायथन (अजगर) – 18 घन्टे
→ शिशफ – 2 घन्टे
→ बिल्ली – 12 घंटे
→ हाथी – – 2-4 घन्टे

* Danger to animals →

→ Tiger अत्यधिक alert जानवर है, फिट भी, खतरे में है।
→ हाथी → दाँत के लिए
→ टाइगर, मगरमच्छ, सांप को उनकी → skin / चमड़ी के लिए
→ गेंडा → सींग के लिए
→ कस्तूरी मृग → इत्र (Scent) के लिए

[जिम Corbett national park
Ghana, Bharatpur, Rajasthan] → कोई शिकार नहीं कर सकते
→ जंगल को हानि नहीं पहुँचा सकते

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

* साँप

→ सपेरा को → कालबेलिया भी कहते हैं (snake charmers)

→ नाग गुंफन → डिजाइन, पेंटिंग जो नागों की shap व skin जैसे होते हैं, जिसमें रंगोली व कढ़ाई व अन्य सजावट की जाती है।
(सौराष्ट्र/Gujrat/South india में)

→ सपेरा, सांप को उसके डंक से पहचान लेता है।

→ सपेरे जंगलों में पाये जाने वाले कई पेड़ों/पौधों से दवाइयाँ बनाते हैं।

→ सांप, खेतों के चूहों को खाने की वजह से, किसानों के लिए मददगार | सहायक होते हैं।

* food & Digesting :-

→ आमाशय का तापमान 30°C

→ Acids in stomach – जिनसे खाना पचता है।

→ उड़ीसा के कालाहांडी में सबसे अधिक चावल उत्पादन, other states में भी।

→ कांच के जार सुखाना, ताकि moisture न बचे, अचार खराब न हो।

→ milk (दूध) → Bowl में रखकर उसे एक पानी के भरे container में रख दें।

→ बने चावल → गीले कपड़े में बांधकर

→ हरा धनिया → उबालकर

→ प्याज | लहसुन → dry / open place

Scanned by CamScanner

बीज →

→ बीज बहुत बड़े यात्री होते हैं।

→ Tiny Hooks के द्वारा, Travel करते हैं / by water also.

* Every drop Counts →

→ GHADISAR - एक जगह है, Jaisalmer में

↳ 'झील'

→ यहाँ 9 झीलें थीं, जो interconnected थीं,

→ जैसलमेर में वर्ष में 1 बार या एक बार भी वर्षा नहीं होती।

→ कुँए, सूखते क्यों जा रहे हैं ?

① - मोटर द्वारा, अत्यधिक प्रयोग

② - ऐसी झीलें जिनमें वर्षाजल संग्रहण होता था वे खत्म हो गये हैं

③ - Trees के आसपास इनमें Cement/Concrete की जमीन बना दी है।

→ जब Jodhpur में, 1986 में वर्षा नहीं हुयी →

'बावली' (Baoli) - सीढ़ीदार कुँआं

* दांडी यात्रा - गांधी जी - (1930) -

कारण ① - आम लोगों को नमक नहीं बनाने देना ② अधिक Tax लगाना नमक पर

यात्रा → अहमदाबाद से दांडी (सागर के किनारे) [आंदोलन था नमक कानून के खिलाफ]

Scanned by CamScanner

महत्वपूर्ण

* मच्छरों से मुकाबला :-

→ मलेरिया - बुखार, ठण्ड के साथ कंपन।
→ दवाई → शैवाल ट्री की शाखा से बनता है।
→ आयरन मिलता है → गुड़, आंवला और हरी सब्जी।
→ मक्खियाँ → पेट (आमाशय) संबंधी बीमारियों के कारक होते हैं।
→ अल्गी (Algae) - एक प्रकार का पौधा, जो कि मुख्यतः (काई) बरसात के मौसम में पैदा होता है।
→ रोनाल्ड रॉस → वैज्ञानिक जिन्होंने, मच्छर के पेट में झांककर देखा है। पहली बार
→ यह बताया कि मलेरिया मच्छर की वजह से होता है।
इससे पूर्व लोग मलेरिया का कारण एक बुरी (प्रदूषित) हवा को मानते थे।
→ मलेरिया एक single celled parasite से होता है जिसे - प्लास्मोडियम कहते हैं।
→ femal enafelese mosqueto - सफेद spots.
→ अनीमिया → Normal in delhi School. - [खून / पोषण की कमी से होने वाली बीमारी]
→ 17 Nov. 2007, दिल्ली के स्कूलों में बीमार हजारों बच्चों (MCD)
→ शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। वृद्धि / विकास रुक जाता है / Energy low / study ability
→ Health check ups हुए / बच्चों के Health cards बनने शुरू हुए
→ आयरन की दवाइयाँ दी जाती हैं।

Scanned by CamScanner

*5

मलेरिया की दवाई (सिनकोना)

→ पुराने समय में, शैवाल पेड़ की छाल/टहनी को पीसकर, एक दवाई बनायी जाती थी/है, for "malaria"

→ टहनी को उबालकर उसका पानी पिलाया जाता था, जो अब दवाइयों के रूप में दिया जाता है।

* UP YOU GO →

एक नेता की विशेषतायें (mountain climbing)

→ दूसरों का Bag उठाने में मदद करे
→ group को आगे भेजकर, स्वयं last में जाए।
→ जो नहीं चढ़ पाते, उनकी मदद करे।
→ रुकने व आराम के लिए एक अच्छी जगह का चयन करे।
→ जिन्हें दिक्कत है, उनका ध्यान दे।
→ समूह हेतु खाने का पर्याप्त बंदोबस्त करे।
→ अच्छा काम पर दूसरों को क्रेडिट व कुछ गलत होने पर स्वयं की जिम्मेदारी ले।

→ विटामिन व आयरन हेतु, सर्दी में गर्म रखने में सहायक)

→ टेकला गाँव - 1600 mts. (झालरापट्टन) झालावाड़ राजस्थान में।

→ climbing करते समय Body का कोण 90° का होना चाहिए तथा, Body सीधी होनी चाहिए।

→ बछेन्द्री पाल → 1st indian women, 5th in world.

→ Mount everest - सागरमाथा - नेपाल में कहा जाता है

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ गाँव → नाकुरी गाँव - गढ़वाल

→ नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग - उत्तरकाशी

→ गाइड - ब्रिगेडियर ज्ञान सिंह

→ 1984 में - बछेन्द्री पाल को Mount Everest के लिए चुना गया।
[टीम - 18 सदस्य (7 महिलायें).]

→ 7300 मीटर की ऊँचाई पर बर्फ के तूफान (15 मई विंड्स) से सामना करने के बाद भी हार नहीं मानी।

→ 23 मई 1984 को दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर 8900 मी॰ की ऊँचाई पर पहुँची। (43 मिनट वहीं रहे)

* A shelter so high →

→ मुंबई सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है, भारत का।

→ (1400 km) दिल्ली हेतु मुंबई से → महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, U.P. —

→ J & K. की roads ऊबड़खाबड़ हैं, due to mountains.

→ लेह-लद्दाख पहुँचने के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन टैंट का प्रयोग होता है।

→ लद्दाख को ठंडा रेगिस्तान { BCZ → Hight पर, → शुष्क, → Flat (plain) है }

→ लद्दाख के घर, लकड़ी के, ढलान छत वाले व बर्फ से ढके हैं।

→ मनाली (H.P. में)

→ लद्दाख में बहुत कम बारिश / बर्फ से ढके पहाड़ / ठंड / Flat / शुष्कता के कारण कोई भी पेड़ पौधे नहीं होते।

→ जूले - जूले → स्वागत - स्वागत

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

. 2 floors के Buildings.

→ पत्थर के मकान, पत्थर एक के ऊपर एक।
- गीले मिट्टी व नींबू (lime) की layer से दीवार बनती है।

→ घर के 1st floor में भूसा भरा होता है।

→ सीढ़ियाँ - लकड़ी की।

→ निचला मंजिला - जानवरों के लिए व imp. चीजों को रखने के लिए।
→ जब ठण्ड बढ़ जाती है तो स्वयं भी नीचे ही रहते हैं।
→ ground floor में windows नहीं होती है।
→ मोटी लकड़ी के तने का प्रयोग - छत बनाने हेतु

→ लाल मिर्च, संतरी कद्दू, पीला भुट्टा, लद्दाख में होते हैं।

→ Summer season में - सब्जी व फलों को dry करके, winter के लिए रख दिया जाता है, जब ठंड के कारण उन्हें fresh fruits & सब्जी नहीं मिल पाते।

→ लकड़ी की छत व मोटी दीवार ठंड से बचने में सहायक।
→ यहां संकुचित रास्ते, पथरीले पहाड़ी सड़के। और कहीं सड़कें नहीं।

→ चांगथांग → 5000 mts. - पथरीले मैदान हैं वहाँ।
→ बहुत ऊँचे जगहों पर सांस लेने में दिक्कत, सरदर्द, व कमजोर महसूस करते हैं। क्योंकि O_2 low।

→ कोई Petrol pump और मैकेनिक नहीं।

→ चंगपा - जनजाति (Tribe) — पहाड़ियों पर रहते हैं। ये 5000 के आसपास है - Total.
- अपने बकरियों व भेड़ों के साथ भ्रमण करते हैं।
→ भेड़ बकरियों से ही → दूध, मांस, खाल, टेंट हेतु कपड़ा, ऊन, आदि मिल जाता है।
→ हर परिवार अपने जानवरों पर एक विशेष चिन्ह लगाकर रखते हैं।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ जिस परिवार के पास अधिक भेड़-बकरी हैं, वह इतना अमीर।

→ इन्हीं, विशेष बकरियों से ही उन्हें पश्मीना शॉल हेतु ऊन प्राप्त होती है।

→ यह जनजातीय लोग, ऊँचे व ठंडी जगहों पर ले जाते हैं, जिससे इनकी ऊन बहुत मुलायम (soft) व गर्मी देने वाली भी अधिक होती है।

→ यह इन्हें बहुत ऊँचाई पर, कठिनाई में रखते हैं; क्योंकि मवेशी रह सकते हैं

→ जनजातीय लोग अपना सारा सामान, अपने घोड़ें व याकों पर ही लादे रखते हैं।

→ इनके टैंट को → 'रेबो' कहते हैं।

→ इनके याकों के बालों को बुनकर शरीर में एक कवर type का बन जाता है, जो उन्हें protect करता है ठंड से।

→ ठंड में - 0°C से नीचे तापमान व 70 km/h. हवा चलती है

→ चँगपा की भाषा में - चाँगथांग का अर्थ → जहाँ बहुत कम लोग रहते हैं।

→ श्रीनगर में अलग-2 तरह के घर, कुछ पहाड़ी पर कुछ, पानी में।

→ कश्मीर में हर गली में बेकरी की shop मिल जाती है, क्योंकि ये लोग रोज रोटियाँ बनाते नहीं बल्कि बेकरी से खरीदते हैं।

→ अलग-2 तरह के आवास → (1) पहाड़ों पर (2) पानी पर

(2) → कुछ लकड़ी की डिजाइन व पत्थरों से बने

(4) → कुछ गतिशील आवास होते हैं, जो move किए जा सकते हैं।

→ जहाँ, चँगपा लोग अपनी भेड़ों को रखते हैं। → 'लेखा' (यह पत्थरों की टिकटों से बनता है)

→ भेड़ों को चराने ले जाने से पूर्व व बाद में घर की औरतों व लड़कियों द्वारा गिना जाता है।

→ लद्दाख से श्रीनगर जाते हुए, बीच में कारगिल पड़ता है

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(*7)

पश्मीना शॉल → दिखने में पतला,

→ हमारे एक बाल की मोटाई — बकरी के 6 बाल बराबर।

→ 6 स्वेटरों के बराबर, एक शॉल गर्मी देती है।

→ इतने पतले बालों से मशीन में नहीं बुना जा सकता इसलिए वे स्वयं ही अपने हाथों से बुनते हैं, जिसे 250 घंटे लगते हैं।

* श्रीनगर के घर :-

① - Houseboat → 80-90 feet long / 8-9 feet wide.

② - Donga → Dal झील व झेलम में पाये जाते हैं। अंदर से अलग-2 कमरे होते हैं।

Houseboat की लकड़ी पर सुंदर carving देखने को मिलती है, जिसे - खतमबंद कहते हैं। Jigsaw Puzzle की तरह दिखता है।

→ कश्मीर के गांवों में → पत्थरों के टुकड़ों से, एक के ऊपर एक रखकर, घर बनते हैं, तथा गीली कीचड़ से लेपाई भी। लकड़ी का भी प्रयोग किया जाता है। साथ ही छत ढलान वाली।

→ कुछ पुराने घरों में एक विशेष खिड़की होती है, जो दीवार से बाहर आया होता है, जिसे 'दब (dab)' कहते हैं। इसपर भी लकड़ी पर पैटर्न सुंदर होता है।

→ पुराने घर, पत्थर, ईंट व लकड़ी से बने हैं, तथा दरवाजों व खिड़कियों पर सुंदर 'मेहराब' बने हैं

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

15 !

जब धरती कांपी →

→ 26th Jan 2001, भूकंप, कच्छ (गुजरात) । | अहमदाबाद, भुज भी

→ जब भूकंप आये तो क्या करें →

→ खुली जगह पर जायें

→ अगर नहीं जा सकते, तो, किसी मजबूत चीज के नीचे जायें, मजबूती से पकड़ें

* उसी से ठंडा उसी से गर्म - Story written by Dr. Jakir hussain

→ हमारे मुँह से आने वाली हवा गर्म या ठंडी हो सकती है, यह निर्भर करता है कि बाहर का तापमान कितना है।

→ स्टैथोस्कोप → Heartbeats

→ गर्म हवा ↑ (हल्की) ठंडी हवा ↓ (भारी)

* कौन करेगा यह काम :

→ सफाई का काम करने वालों के प्रति संवेदनशीलता तथा उनके प्रति सहानुभूति ।

→ गांधीजी के मित्र - महादेवभाई के बेटे - नारायण

→ भीमराव अंबेडकर - महाराष्ट्र के गोरेगांव से

→ भारतीय संविधान की निर्माण कमेटी के अध्यक्ष (father of indian constitution) —.

→ Source - India Untouched by Stalin K. (Documentary)

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(*8)

3) * फांद कर दीवार (Across the wall)

→ नागपाड़ा व अफसाना मंसूरी बास्केटबॉल टीम → मुंबई में है।
→ विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन - मुंबई (Railway stations) -
→ शोलापुर - मुंबई
→ वाद-विवाद (Discussion) चर्चा के द्वारा लैंगिक भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। - लड़कों-लड़कियों के लिए समान खेल व समान मौके।
→ चर्चा → Player को ability के आधार पर देखना, न कि class, caste या economic status के आधार पर,
→ बच्चू खान playground है in mumbai, एक coach के नाम पर पड़ा → मुस्तफा खान,

* बीज की कहानी / किसान की कहानी।

→ वंगाम → गुजरात
→ पुराने समय में बीजों को सुरक्षित रखने हेतु लौकी के कवर को मिट्टी से लेपकर रख दिया जाता था
→ नीम की पत्ती, कीड़े से बीज को बचाते हैं।
→ 'ऊँधीया' → एक सब्जी, जिसको, पॉट को उल्टा लटकाकर, कोयलों पर रखकर तैयार किया जाता है। (गुजराती में - "उल्टा लटकाना)
→ इसे - बाजरे की रोटी, मक्खन, दही व छाछ के साथ खाना
→ क्रोटोन → एक पौधा, Signal देता है, कि जमीन सूख गयी है (सींचाई करनी है)
→ केंचुए - किसान के मित्र

Scanned by CamScanner

Maharath Academy

* किसके जंगल →

→ "कुड़ुक" - आदिवासी लोगों की एक जनजाति है, जो झारखण्ड में है।

→ आज जंगल कम हो रहे हैं → उनकी जगह, खनन, डैम बन रहे हैं।

→ 'तोरांग' - का अर्थ 'जंगल' - कुड़ुक Lang. में।

→ Right to forest Act - 2007 → जो 25 साल से अधिक समय से किसी जंगल में हैं, वे वहीं रह सकते हैं, वह उन्हीं का है। उन्हें वहाँ से हटाया नहीं जा सकता।

- उनकी सुरक्षा का कार्यभार, वहाँ की ग्राम सभा का है

→ सूर्यमणी :- एक सच्ची घटना, एक (गर्ल स्टारा), ordinary girls की extraordinary कहानियों को govt. द्वारा सुनाया जा सकता है।

→ 'एक टीन जमीन' - एक टीन बीज, जितनी जमीन पर बोया गया हो

→ झूम खेती → Cycle में फसलें उगाना। (मिजोरम)

→ मिजोरम की मुख्य फसल → चावल

→ फसल के पकने पर त्यौहार व डांस' → 'चराओ'

→ मिजोरम में लॉटरी के तहत सांझा जमीन को, बारी बारी से लोगों को खेती के लिए दी जाती है।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

* किसकी सलाह? किसकी छाप? →

→ कुछ गुण हम वंशानुक्रम रूप से प्राप्त करते हैं, तथा कुछ कुछ कौशल अपने पर्यावरण से

→ पोलियो वंशानुगत बीमारी नहीं है। यह वायरसजनित है।

→ Dr. को कक्षा में बुलाया जा सकता है - 'Community Resource'.

→ ग्रेगर मेंडल - जन्म 1822 - ऑस्ट्रिया में (वंशानुक्रम का पता लगाया)
'सात सालों तक' 28000 पौधों पर experiment किए।

→ मटर के पौधों में कुछ गुण, उनके pairs से होते हैं। जैसे मटर का एक बीज या तो चिकना / खुरदरा होगा।

→ पढ़ाई से Interested थे, तथा Exams, से डरते थे।
→ मठ में रहकर experiment किए।

* On the move Again -:

→ गन्ने की फसल हेतु, अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

→ पूरनपोली, (मीठी रोटी जो गुड़-चने से बनती है) यह, तीखी कढ़ी के साथ खाया जाता है।

→ कैरावैन, यह एक वाहन है, जिसमें सभी रहने की सुविधायें होती हैं, शौचालय, रसोई, रहने का कमरा आदि। (स्वदेश)

→ चूहों की नजर कमजोर होती है मगर, सूंघने, टच व स्वाद की संवेदनशीलता अत्यधिक होती है।

→ नागपुर में, दाल में मीठा (शुगर) मिलाकर खाया जाता है

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ नृत्य करते समय, हाथ व चेहरे का प्रयोग - feeling convey करने हेतु किया जाता है। इन्हें मुद्रा (हाथ) व भाव (चेहरा) कहा जाता है।

→ उल्लू, अपनी गर्दन को काफी हद तक पीछे घुमा सकता है।

→ एक पक्षी के पंख, उड़ने के साथ-2, उन्हें सर्दी से बचाने में भी मदद करते हैं।

→ साथ ही समय-2 पर उनके पंख गिरते रहते हैं; नये पंख उगते रहते हैं।

* ब्रेल लिपि → दृष्टिबाधितों के अध्ययन हेतु।

→ एक Paper पर उभरे हुए Points को Touch करके पढ़ पाते हैं।

→ लुइस ब्रेल (फ्रांस), अपने पिता को काम के औजारों से खेलते वक्त, आँखे चली गयीं।

→ पढ़ने के शौक के चलते, 'Braille Script' को तैयार किया

→ यह लिपि, 6 Points पर आधारित होती है, तथा Computer का इस्तेमाल करके भी लिखा जा सकता है।

शुरुआत में घड़े मिट्टी व पत्थरों से बनाये जाते थे।

* → शुरुआत में घड़े मिट्टी व पत्थरों से बनाये जाते ~~थे~~ हैं,

→ पत्थर के घड़े, खुदाई व Carving करके, हाथ से बनाते हैं।

→ कहवा (चाय) को बादाम व इलायची का इस्तेमाल करके, ठण्ड से बचने हेतु, श्रीनगर में बनायी जाती है,

→ डल झील, श्रीनगर में है।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(* 10)

→ Tourists (यात्री) 'शिकारा' की Ride को enjoy करते हैं, Dal झील में,
→ चिड़िया इन कीड़ों को खा जाती हैं, जो फलों को खराब कर देते हैं,
→ लापू गाँव → राजस्थान में हैं।
→ मानचित्रों पर बने चिह्न/प्रतीक बच्चों को उसे समझाने में मदद करते हैं।
→ बच्चों को, पानी बचाने की आवश्यकता को लेकर, उसके पुन: उपयोग पर चर्चा करना।

* हाँगकाँग :- सांपों को खाया जाता है।
→ famous shake - 'लिंग - हू - फेन', भोजन (सांप के मांस से)
→ कश्मीर - (झील की मछली) सरसों के तेल से बनी।
गोवा - (समुद्र की मछली) नारियल के तेल से बनी।
केरल - टॅपिओका :- जमीन के नीचे उगता है, जिसे नारियल का use करके करी के साथ खाते हैं।

* To make a Tank OR a Tanka →
→ टांका बनाने के लिए, जमीन पर गड्ढा खोदकर, पक्का कर लेते हैं।
→ एक ढक्कन से ढक देते हैं।
→ घर की ढलान वाली छत से Pipe जोड़कर टांका तक पहुँचा दिया जाता है। Pipe के मुँह पर जाली लगायें ताकि, टंकी में कूड़ा न जाए।
→ यह पानी, पीने हेतु भी प्रयोग किया जा सकता है, जब उसे, साफ कर दिया गया हो।

Scanned by CamScanner

Maharath Academy

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

PEDAGOGY OF EVS.

→ बच्चों को वर्गीकरण सिखाने के लिए, चीजों को categorise करना सिखाना आवश्यक है।

→ बच्चों को अपने पर्यावरण/आसपास से सूचनायें एकत्र करने के लिए प्रेरित करना।

→ बच्चों को प्रकृति को अवलोकित करने का अवसर –: सक्रिय भागीदारी।

→ कक्षागत कार्यों को बाहरी संसार से जोड़ना आवश्यक है।

→ बच्चों को समूह में कार्य करने हेतु प्रेरित करें। यह उन्हें विविधता सीखने में मदद करेगा। (Peer learning)–

→ कहानियाँ (पढ़ने) सुनने के लिए उन्हें प्रेरित करना।

→ बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए, कला व शिल्प जैसे क्रियाकलापों को बढ़ावा देना।

→ उन्हें कुछ कार्य भी दिया जा सकता है, जैसे कुछ Draw करने या अवलोकन करने हेतु।

→ बच्चों को स्वयं को अंकलित करने का मौका दिया जाए, या पौधों, जानवरों को वर्गीकृत करने का मौका दिया जाए।

→ उन्हें कहानी/कविता सुनाने हेतु कहा जा सकता है, परंतु याद करने/रट्टा लगाने हेतु नहीं कहा जाना चाहिए।

→ **सामुदायिक संसाधन** –: जैसे डॉक्टर, किसान, सफाईकर्मी, grandparents को विद्यालय में बुलाकर Real life example के द्वारा चीजों को बताया जा सकता है।

→ बच्चों को पौधों के प्रति या पर्यावरण के प्रति संवेदना देने के लिए, पेड़ों को मित्र बनाने व उन्हें स्वयं जल/खाद देने व रक्षा करने हेतु प्रेरित किया जा सकता है।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ शिक्षक बच्चों को उनकी मातृभाषा संबंधी, जल, पौधे व अन्य चीजों पर गाये जाने वाले गाने आदि गाने हेतु प्रेरित करें।

→ सामाजिक भेदभाव (जाति, लिंग) के प्रति बच्चों को उनके स्तर पर संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक।

→ बच्चों को अवलोकन करने व प्रश्न करने के लिए मौके दें।

→ कुछ चीजों को स्पष्ट करने हेतु, बातचीत / Discussions किया जा सकता है।

→ बच्चों के क्षेत्रीय रूप से उपलब्ध संसाधनों व सामग्रियों को उपयोग करने हेतु प्रेरित करें।

→ इस तरह के तरीके / situations / games, को choose करें जिससे वे स्वयं को संबद्ध कर पायें जैसे- खेल आदि।

→ (Individual differences) - सभी की अलग-2 व्यक्तिगत विभिन्नतायें।

→ चीजों को बच्चों के स्वयं के अनुभवों से जोड़ा जाए ताकि वे अधिक संवेदनशील हो सकें।

→ उन्हें स्वयं को express करने हेतु मौके दिए जायें।

→ बच्चों को रचनात्मकता हेतु भरपूर मौके जैसे- origami, finger paintings, art & craft दिए जायें।

→ बच्चों को पक्षियों / जीवों / पौधों की विशेषतायें पता हों, चाहे उन्हें नाम याद न भी हों।

→ किसी भी चीज को good / bad के बीच वाद-विवाद के लिए, discussion करवाया जा सकता है।

→ ईंधन के प्रभाव, जल, पर्यावरण, आदि पर समाचारपत्रों की Reports के माध्यम से, बातचीत (Discussion) करवाया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ कक्षा की बातचीत Conversation में बच्चों के अनुभवों को शामिल किया जाना चाहिए।

→ उन्हें Real life examples दें।

→ एक कहानी को पढ़ाने का बेहतर तरीका - Role play हो सकता है (जेकब मॉरेन)
इससे creativity भी आयेगी।

→ उन्हें ऐसी activities के मौके दें, जिनसे वे, स्वयं करके सीख जायें।

→ उन्हें एक दूसरे को मदद करने / सहयोग करने के अवसर दें।

→ लिंग भेद, तकनीक, Bussiness related gender issue, तथा नशे के प्रति संवेदना हेतु - बातचीत Discussions।

→ पक्षियों को अवलोकन करने हेतु, नजदीक से देख पायें। इसके लिए बच्चों के साथ, Bird bath बनाने में help कर सकें।

→ पानी संरक्षित करने के local विधियों के experiece बच्चों से कक्षा में साझा करने को कहें।

→ पर्यावरण में सभी चीजें- Interdependent- हैं।

→ बच्चों को प्रोत्साहित करें कि बच्चे एक map के ऊपर, States, दिशा, Boundaries, दूरी, को समझें व locate कर पायें।

→ बच्चों से जीवों के विषय में अपने Parents से जानने को कहें। और इस बात को जानने हेतु भी कि कुछ जीवों की संख्या कैसे लगातार कम हो रही है।

→ वाद-विवाद, बच्चों को एक विषय को कई तरह से देखने हेतु प्रेरित करता है।

→ रेलवे टाइम टेबल → को कैसे Read किया जा सकता 24 hrs. format.
- इसका प्रयोग कई क्रियाकलाप के द्वारा भूगोल व गणित पढ़ाने की integrated approach का use किया जा सकता है।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ खेलों से सीख - जीवन हेतु नियम बनाना
- सहयोग
- पक्ष नहीं
- सहानुभूति
- अनुशासन

→ फूलों का अवलोकन, - वर्गीकरण, जागरूकता, आदि।
→ प्रकार के पंखुड़ी
→ रंग
→ उनकी सतह
→ पंखुड़ी जुड़े में या नहीं।

→ Visit/या सा० संसाधन - के द्वारा Construction site पर रह रहे लोगों के विषय में जानकारी प्राप्त करें।

→ पर्यावरण, परिवार संरचना, तापमान, स्थानों, गांवों, तकनीक में परिवर्तन पर बातचीत।

→ मिलकर खाने की आदत हेतु, Event organise, (comm. lunch) for Respect, diversity, विविधता आदि जानें।

→ कई मुद्दों के जैसे - Drinking, घरों में झगड़े, पर बच्चों को उनके हल बताने को कहें या इसपर chart, या Poster भी बनाये जा सकते हैं।

→ Classroom में, हर तरह की diversity को → "Resource माना जाना चाहिए"।
[like - भाषा, खाना, रंग, लिंग, जाति, धर्म] आदि

→ कक्षा में प्रदर्शन करने व वर्गीकरण हेतु Tables का use किया जाए।

→ अपने बड़ों से पुराने समय के विषय में बताने को कहें, ताकि 'इतिहास' के प्रति ज्ञान/समझ बनता है।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ इतिहास के विभिन्न स्त्रोतों के विषय में बातचीत करें - जैसे - maps, चित्र, अवशेष, किताबें, रिकॉर्ड्स, आदि।

→ खेड़ों पर होने वाली वाहनों की भीड़ को लिख प्रकार कम किया जा सकता है, इसपर बच्चों से समाधान ढूँढें व बातचीत हो। - समाचार पत्र Reports भी देखें।

→ 'Percentag' जैसे शब्दों को प्रयोग करने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि, marks, खेल जीतने की chance कितना है?, Discont, Sale आदि को समझने हेतु।

→ Temperature, को Daily newspapers से बताया जा सकता है।

→ Earthquake, के लिए, चर्चा / बातचीत, किया जा सकता है इसके प्रभाव व बचाव प्रदर्शन के द्वारा।

→ छुआछूत / लिंग भेद जैसे मुद्दे को, संवेदनशील बनाने हेतु, चर्चा / वाद विवाद / newspaper / recent event के द्वारा / अनुभवों आदि के द्वारा किया जा सकता है।

→ अनुभव - games for girls & Boys
show करना - Team work -

→ Debate - यानी हर बात के दोनों ही aspects पर चर्चा हो ताकि, सकिय अधिवाम हो सके।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ वनों के प्रति संवेदनशीलता हेतु, चर्चा व कल्पना।

→ बच्चों की समस्या सुनते हुए - शिक्षक संवेदनशील होना चाहिए।

→ प्रवास वाले परिवार, के बच्चों के लिए, विशेष व्यवस्था, विद्यालय द्वारा की जानी आवश्यक, ताकि वे लगातार स्कूल से जुड़े रहें व gaps न आयें।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

NCF - 2005 FOR E.V.S.

* 6 थीम → (1) परिवार व मित्र (4) → आवास
(2) → भोजन (5) → यात्रा।
(3) → जल (6) → चीजें जो हम बनाते हैं व करते हैं।

{उप-थीम}

(1) - परिवार व मित्र →
- संबंध
- कार्य व खेल
- जानवर
- पेड़-पौधे

(2) - भोजन
- Tasting (चखना)
- Digesting (पचाना)
- पकाना
- संरक्षण तकनीक
- किसान व भूख

Role of the book :-

→ NCERT, द्वारा निर्धारित EVS की 'Themes' को एक गहरी व अंतर्संबंधित समझ के आधार पर बनाया गया है।
→ प्रत्येक थीम कुछ key questions से शुरू होते हैं।

→ NCERT, किताबों में लिंग, वर्ग, संस्कृति, धर्म, भाषा, भौगोलिक स्थिति के आधार पर विभिन्नता से निपटने की जरूरत बतायी है।

→ EVS books से संबंधित आंकलन, सतत आधारित हो, तथा बच्चे का आंकलन उसके अवलोकन, चर्चा, प्रश्न तथा सामूहिक कार्य के आधार पर हो।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

NCF की सिफारिशें (EVS के लिए) →

→ बच्चे का विद्यालयी जीवन, उसके विद्यालय के बाहरी जीवन से संबंधित होना चाहिए।

→ यह बच्चे के विद्यालय, घर व समुदाय के बीच की दूरी को कम करेगा।

→ यह रटंति व किताबी ज्ञान को हतोत्साहित करता है। किताबें भी इसी तरह से बनाई गयी हैं।

→ इन किताबों का लक्ष्य, छात्र केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था (NPE-1986) को प्राप्त करने में मदद करते हैं। (Integrated learning).

→ बच्चा अपने वातावरण (पर्यावरण) को संपूर्णता में देखता है इसीलिए, 3rd से 5th में सभी प्रत्ययों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व पर्यावरण शिक्षा के रूप में, एकीकृत किया गया है।

→ EVS विषय को 1st व 2nd कक्षा में किताबी रूप में न रखकर, उन्हें भाषा व गणित के साथ ही समाहित किया गया है।

→ EVS पुस्तकों में परिभाषाओं व सूचनाओं को जगह नहीं दी गयी है। यहाँ तक कि पुस्तक की भाषा भी औपचारिक नहीं है।

→ EVS की केवल पुस्तक ही, ज्ञान का एकमात्र साधन नहीं है, परंतु यह बच्चों को नया ज्ञान निर्माण के लिए प्रेरित करता है।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Lesser the burden → Burden कम करने हेतु क्या ?

→ Daily time-table में लचीलेपन की जरूरत है, ताकि Teaching में बेहतर हो सके।

→ अध्यापन व आकलन के लिए प्रयोग किए गये तरीके (विधियाँ) भी प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक की प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं।

(अतः Time table flexibility, Teaching & assessment methods affects the learning outcomes, not only books).

→ बच्चों हेतु अधिक विचारशीलता, उत्सुकता, व चर्चा हेतु छोटे समूह बनाने व प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने की प्राथमिकता व ध्यान दिया जाना चाहिए।

→ पाठ्यपुस्तक, छात्र केन्द्रित हों, ताकि बच्चों को स्व-अध्ययन, के लिए स्वतंत्रता मिल सके व अन्वेषण कर सकें और रटने व याद करने हेतु मजबूर न हों।

* विद्यालय की भूमिका :-

→ विद्यालय Head वह efforts करे ताकि बच्चे, स्वयं की आधिगम को reflect कर सकें, और कल्पनाशीलता के क्रियाकलाप व प्रश्न पूछ सकें। (encourage कर सकें)

→ बच्चे अपने बड़ों के साथ जुड़कर बच्चे स्वयं से अपना ज्ञान निर्माण कर सकें।

Scanned by CamScanner

Maharath Academy

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

→ यदि हम बालकों को, अधिगम प्रक्रिया में सहभागी बनायें तो, तो वे रचनात्मक व पहल करने हेतु आगे बढ सकते हैं। न कि केवल उन्हें, ज्ञान का एक स्थिर ग्रहणकर्ता मानें। (मूक अधिगमकर्ता)

→ परीक्षा हेतु, केवल पाठ्यपुस्तक को ही बच्चों हेतु Proffered नहीं करना चाहिए। बल्कि अधिगम के अन्य साधनों व संसाधनों का भरपूर प्रयोग हो। उन्हें दरकिनार न किया जाए।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

NCF-2005 - Introduction

(2)

→ NCERT की, कार्यकारिणी ने 14 व 19 जुलाई, 2004 की बैठकों में NCF को संशोधित करने का निर्णय लिया।

(तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा निर्णय)-

क्या है- 2005-(NCF)→

→ यह विद्यालयी शिक्षा का अबतक का सबसे नवीनतम राष्ट्रीय दस्तावेज है।

→ इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों व अध्यापकों ने मिलकर तैयार किया है।

→ HRD मंत्रालय की पहल पर, प्रो० यशपाल की अध्यक्षता में देश के चुने हुए 23 विद्वानों ने शिक्षा को नयी राष्ट्रीय चुनौती के रूप में देखा।

* NCF- पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत (मार्गदर्शक तत्व)

1 → ज्ञान को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ा जाए।
2 → पढाई को रटंत प्रणाली से मुक्त किया जाए।
3 → पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तक केन्द्रित न रह जाए।
4 → कक्षाकक्ष को गतिविधियों से जोड़ा जाए।
5 → राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति आस्थावान विद्यार्थी तैयार हों।
(राष्ट्रीय महत्व के बिंदुओं को पाठ्यक्रम में शामिल)

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

* NCF-2005 के मुख्य सुझाव →

(1) - शिक्षण सूत्रों का अधिकतम प्रयोग हो - ज्ञात से अज्ञात, मूर्त से अमूर्त आदि।

(2) - सूचना को ज्ञान मानने से बचा जाए।

(3) - विशाल पाठ्यचर्या व मोटी किताबें शिक्षा प्रणाली की असफलता का प्रतीक है।

(4) - मूल्यों को उपदेश देकर नहीं वातावरण देकर स्थापित करें।

(5) - अच्छे विद्यार्थी की धारणा में बदलाव आवश्यक है, अर्थात, अच्छा विद्यार्थी वह है, जो तर्कपूर्ण बहस के द्वारा अपने मौलिक विचारों को शिक्षक के सामने प्रस्तुत करे।

(6) - अभिभावकों को सख्त संदेश दिया जाए कि बच्चों को छोटी सी उम्र में निपुण बनाने की आकांक्षा गलत है।

(7) - बच्चों को स्कूल से बाहरी जीवन में तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना।

(8) - "कक्षा में शांति" का नियम बार-बार ठीक नहीं अर्थात, जीवंत कक्षागत वातावरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(9) - सहशैक्षिक गतिविधियों में बच्चों के अभिभावकों को भी जोड़ा जाए।

(10) - समुदाय को मानवीय संसाधन रूप में प्रयुक्त होने का अवसर दें।

(11) - खेल, आनंद व सामूहिकता की भावना के लिए, रिकॉर्ड बनाने व तोड़ने की भावना को प्रश्रय न दें।

(12) - बच्चों की अभिव्यक्ति में मातृभाषा महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अधिगम परिस्थितियों में इसका प्रयोग करें।

(13) - पुस्तकालय में बच्चों को स्वयं पुस्तक चुनने का अवसर दें।

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

②

14- वे पाठ्यपुस्तकें महत्वपूर्ण होती हैं जो अंतःक्रिया का अवसर दें।

15- कल्पना व मौलिक लेखन के अधिकाधिक अवसर प्रदान किए जाऐं।

16- सजा व पुरस्कार की भावना को सीमित रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।

17- बच्चों के अनुभव व स्वर को प्राथमिकता देते हुए, बालकेन्द्रित शिक्षा प्रदान की जाए।

18- सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मनोरंजन के स्थान पर सौंदर्यबोध को प्रश्रय दें।

19- शिक्षक प्रशिक्षण व विद्यार्थियों के मूल्यांकन को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाए।

20- शिक्षकों को अकादमिक संसाधन व नवाचार आदि समय पर पहुँचाये जायें।

---

* शिक्षा के लक्ष्य - (NCF-2005 के अनुसार)

1- स्कूल के जीवन को बाहर (घर, पड़ोस) से जोड़ना। (निरंतर प्रक्रिया बने)
2- आत्म ज्ञान (स्वयं को जानने की एक निरंतर प्रक्रिया बने)
3- मूल्य शिक्षा अलग न होकर, शिक्षा में ही हो।
4- सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करें
5- वैयक्तिक अंतर को स्वीकार करना
6- राष्ट्रीयता व देश पर गर्व करना
7- कक्षा में अच्छा माहौल व उसमें बच्चों की भागीदारी
8- शिक्षा को शिक्षा प्रक्रिया को गरीबी, संप्रदाय, जाति, लिंग से मुक्त करना
9- साहित्य व कलात्मक रचनात्मकता को बढ़ावा।

Scanned by CamScanner

* **मुख्य उद्देश्य -:**

→ पाठ्यक्रम के बोझ को कम करना।
→ शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को कम करना
→ ऐसे पाठ्यक्रम का विकास जिससे ज्ञान का व्यवस्थित रूप विकसित हो।
→ विचारों की स्वतंत्रता
→ सभी बालकों को सशक्त बनाना
→ रचनात्मकता ~~और~~ का विकास

NCF - Curriculum AREAS

Traditional
- maths
- language
- Science
- Social Science

Others
- Art Edu.
- Health & Phys. Edu.
- Edu. for peace
- Habitat & learning

→ Language → Three lang. formula - imp. of Home lang
→ multilingualism as a resource
→ "Eng. as sub." and "Eng. As medium."

→ Science - Relation to environment & awareness
→ Social science - Social issues, interdisciplinary approach, civic society, politics, Conception of past.
→ mathematics - mathematisation / तार्किक सोच, अमूर्त निर्माण व संचालन योग्यता बढ़ पाये।

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

NCF- systemic Reforms → ① Concern for quality ③

② ↳ Teacher Edu. for curriculum Renewal

⑤- Exam Reform. → Content based teaching

↓ shift

problem solving & understanding

→ School should evolve, Continuous evaluation. for diagnosis & Remedial

→ No board or state level exams at - 5, 8 & 11th

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

NCF - 2005 - Questions

① - Teacher as a - facilitator (सुविधा प्रदाता)

② - Aim of teaching English - multilingualism (बहुभाषिकता)

③ - MLL - Minimum level of Learning.

④ - Children don't fail, whole system fails - NCF-2005

⑤ - Educational Tech. - can be a - suppliment - (पूरक)

⑥ - NCF suggested 25% to 40% que. should be → short ans. type.

⑦ - Chairman of National steering committee → Prof. Yash pal

⑧ - Home work time for XIth & XIIth → 2 घण्टे।

⑨ - Stress related problems of stud. can be removed by → Guidance & Councelling.

⑩ - National system of Edu. को अपनाया जाएगा - NCF, किसने कहा → NPE - 1986.

⑪ - Board Exams of 10th standared should be → optional

⑫ - Evaluation system should be based on - Grades

⑬ - Board की Exams कब reconduct कराने चाहिए - Imidiately.

⑭ - Craft को किसके द्वारा सिखाया जाए - Project द्वारा,

⑮ - Common phy. discomfort for child → स्कूल का लंबा रास्ता
→ भारी बैग
→ Punishment.

⑯ → Main Goal of maths → बच्चों के मस्तिष्क के चिंतन को तार्किकता लाना / mathematise करना

⑰ - Examination → Hurdle Race.
बाधा दौड़

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in

(18) → NCF-2005 का प्रमुख सूत्र → learning without Burden
(बिना भार के अधिगम)

(19) - NCF-2005 का प्रारंभ रविंद्रनाथ टैगोर के किस निबंध से होती है? → सभ्यता और प्रगति

(20) - सुविधाप्रदाता कौन → Teacher. (उत्प्रेरक)
(Facilitator, Guid and friend)

(21) - पाठ्यपुस्तक के साथ अन्य संदर्भ ---- को जोड़कर पुस्तक को गहन बन सकता है → अनुभव।

(22) - बच्चों के आकलन का सही तरीका है - दैनिक गतिविधि

(23) - पर्यावरण की चिंता के प्रति जागरूकता को संपूर्ण स्कूली पाठ्यक्रमों में व्यापक होना चाहिए।

(24) - यदि बच्चे फेल होते हैं तो → System fail होता है।

(25) शिक्षा का अधिकार है - एक संवैधानिक अधिकार
→ शिक्षा किसके अंतर्गत आती है - समवर्ती सूची

(26) - - NCF तैयार करता है - 'NCERT'
- NCFTE तैयार करता है - 'NCTE'

Maharath Academy

Scanned by CamScanner

Search For All Subjects Notes www.maharathacademy.in